SA – 502

IV Semester B.Sc. Examination, April/May 2015
(Semester Scheme) (Freshers) (2014-15 and Onwards)
HINDI LANGUAGE – IV
Hindi Khandakavya, Nibandh and Translation

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर **एक शब्द** या **वाक्यांश** या **वाक्य** में लिखिए : **(10×1=10)**

1) 'एकलव्य' खण्डकाव्य के रचनाकार का नाम लिखिए।
2) हिरण्यधनु के बेटे का नाम क्या है ?
3) कौरव-पांडव के शिक्षक कौन हैं ?
4) 'शूद्र' शब्द एकलव्य को कैसे लगा ?
5) वज्र से भी दृढ़ क्या है ?
6) कुत्ते का मुंह किस से भरा था ?
7) एकलव्य के अनुसार भगवान कौन है ?
8) एकलव्य ने गुरु दक्षिणा में क्या दिया ?
9) अश्वत्थामा किसका पुत्र है ?
10) द्रोण के सहपाठी का नाम कया है ?

II. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×8=24)**

1) कौन तुम्हें सिखलाए विद्या ?
   तुम अछूत कहलाते।
   यह विडंबना है समाज की,
   समझ नहीं हम पाते।।
2) अत: लौट जाओ जंगल में,
   खेलो मौज मनाओ।
   बच्चे हो, क्या तीर चलेगा ?
   हमको मत झुठलाओ।।

P.T.O.

3) ज्ञान प्राप्ति में लगन चाहिए,
जाति-पांति का भेद नहीं,
गुरु के अपमानित शब्दों का,
आज मुझे कुछ खेद नहीं।।

4) राजा रंक मित्रता,
कैसे संभव हो सकती है।
तुम्हें अनर्गल इस प्रलाप से,
शर्म नहीं लगती है।।

5) यही समय का फेर,
आज जीवन में हारा।
निविड़ निशा में कोई भी
है नहीं सहारा।।

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×16=32)**

1) 'एकलव्य' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।
2) 'एकलव्य' खण्डकाव्य का सारांश लिखकर उसकी विशेषताएँ लिखिए।
3) 'एकलव्य' खण्डकाव्य में अभिव्यक्त श्रम-संकल्प-साधना के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×7=14)**

1) राजकुमारों की ईर्ष्या
2) हिरण्यधनु का उपदेश
3) अर्जुन।

V. किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : **(1×10=10)**

1) विज्ञान से लाभ और हानि
2) क्रीड़ा क्षेत्र और महिला।

VI. **हिन्दीं** में अनुवाद कीजिए : **10**

In the religious history of India, Kabir occupies a place of great importance. He believed in the unity of all religions. For him the true teaching of all religions was love. Love brought people together, while religion as practised by ignorant fanatical people, created conflict and division. He condemned idolatry and most of the Hindu ceremonies and rites. He took the Muslims also to task for their intolerance of other faiths.

ಭಾರತದ ಧಾರ್ಮಿಕ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ಕಬೀರದಾಸರು ಒಂದು ಮಹತ್ತರವಾದ ಸ್ಥಾನವನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಅವರು ಎಲ್ಲಾ ಧರ್ಮಗಳ ಏಕತೆಯಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸವಿಟ್ಟಿದ್ದರು. ಅವರ ಅಭಿಪ್ರಾಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರೇಮವೇ ಎಲ್ಲಾ ಧರ್ಮಗಳ ನಿಜವಾದ ತತ್ವವಾಗಿತ್ತು. ಪ್ರೇಮವು ಜನರಲ್ಲಿ ಒಗ್ಗಟ್ಟನ್ನು ತಂದಿತ್ತಾದರೆ, ಅಜ್ಞಾನ ಮತಾಂಧರಿಂದ ಆಚರಿಸಲ್ಪಡುವ ಧರ್ಮವು ಪರಸ್ಪರ ಒಡಕು ಮತ್ತು ವೈಮನಸ್ಸನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿತು. ಕಬೀರರು ಮೂರ್ತಿ ಪೂಜೆಯನ್ನು ಮತ್ತು ಹಿಂದೂಗಳ ಅನೇಕ ಆಚಾರ-ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ಖಂಡಿಸಿದರು. ಹಾಗೆಯೇ ಅವರು ಮುಸಲ್ಮಾನರ ಅನ್ಯ ಧರ್ಮಿಯ ಶ್ರದ್ಧೆಯ ಬಗೆಗಿನ ಅಸಹಿಷ್ಣುತೆಯನ್ನು ಸಹ ತರಾಟೆಗೆ ತೆಗದುಕೊಂಡರು.